Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

उत्तराखंड में बीते 24 घंटे में 1183 लोग संक्रमित मिले

कोविड अपडेट

15 मरीजों की मौत, 20715 सक्रिय मरीजों का चल रहा इलाज

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में बीते 24 घंटे में 1183 संक्रमित मिले हैं। जबकि 15 मरीजों की मौत हुई है। 20715 सक्रिय मरीजों का इलाज चल रहा है।

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक शुक्रवार को 13 जिलों में 1183 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए। देहरादून जिले में 369, हरिद्वार में 73, ऊधमसिंह नगर में 87, चमोली में 94, अल्मोड़ा में 125, रुद्रप्रयाग में 104, नैनीताल में 62, पौड़ी में 77, पिथौरागढ़ में 52, टिहरी में 43, उत्तरकाशी में 48, चंपावत में 44 और बागेश्वर जिले में 05 संक्रमित मिले हैं। कोरोना की तीसरी लहर में मृतकों की संख्या 178 हो गई है। जबकि शुक्रवार को 4186 संक्रमित स्वस्थ हुए हैं। इन्हें मिलाकर 59561 मरीजों ने संक्रमण को मात दी है।

ऋषिकेश में मिले 20 कोरोना पॉजिटिव

ऋषिकेश में 20 नए कोरोना संक्रमित मिले हैं। इनमें लक्ष्मणझूला के नौ, ऋषिकेश के आठ और मुनिकीरेती के तीन लोग शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग ने सभी संक्रमितों को आइसोलेट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वहीं संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों को भी चिन्हित किया जा रहा है।

दूसरी डोज का लक्ष्य पार करने से कुछ कदम पीछे उत्तराखंड: उत्तराखंड कोविड वैक्सीन की दूसरी डोज का लक्ष्य हासिल करने से कुछ कदम ही पीछे है। लक्ष्य की तुलना में अब तक 18 वर्ष से ऊपर के 92.2 प्रतिशत लोगों को वैक्सीन की दोनों डोज लगाई जा चुकी हैं। जबकि लक्ष्य के सापेक्ष शत प्रतिशत लोगों को पहली डोज लगाई जा चुकी है।

कोरोना की तीसरी लहर में संक्रमण से बचाव के लिए कोविड टीकाकरण में तेजी आई है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्रतिदिन टीकाकरण के लिए महाभियान चल रहा है। वैक्सीन की पहली डोज लगाने में उत्तराखंड ने लक्ष्य के सापेक्ष शत प्रतिशत टीकाकरण कर लिया है। जबकि दूसरी डोज का लक्ष्य पार करने से कुछ कदम पीछे हैं। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश में अब तक 80.67 लाख को पहली डोज लग चुकी है। जबकि 74.34 लाख को वैक्सीन की दोनों डोज लगाई जा चुकी हैं।

राज्य प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. कुलदीप मर्तोलिया का कहना है कि प्रदेश में कोविड टीकाकरण सुचारू रूप से चल रहा है। उत्तराखंड दूसरी डोज का लक्ष्य हासिल करने के करीब पहुंच गया है। कोविड वैक्सीन की डोज लगाने से वंचित लोगों को चिह्नित कर मोबाइल टीम के माध्यम से घर में भी वैक्सीन लगाई जा रही है। 60 साल से अधिक आयु के बुजुर्ग जो टीकाकरण बूथ पर जाने से असमर्थ हैं, उन्हें घर पर ही एहतियाती डोज लगाने की सुविधा दी है।

न्यूज डायरी

दूसरे दिन भी बारिश–बर्फबारी, वादियों पर बिछी चांदी, सैकड़ों गांव बर्फ से ढके

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड में दूसरे दिन शुक्रवार को दिनभर बारिश और बर्फबारी जारी रही। जिससे राज्य में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। वहीं ठंड की वजह से लोग घर में दुबके रहे। चारधाम सहित सभी वादियां बर्फ के आगोश में हैं। भारी बर्फबारी से सैकड़ों गांवों में जन–जीवन अस्त–व्यस्त हो गया है।

पिथौरागढ़, नैनीताल सहित कुमाऊं मंडल के ऊंचाई वाले इलाकों में भी बर्फबारी हुई है। दो दिन से हो रही बारिश से रुद्रप्रयाग जिले के 60 से अधिक गांवों में दो से तीन फीट बर्फ जमने से जनजीवन अस्त–व्यस्त हो गया है। केदारनाथ, मद्महेश्वर व तुंगनाथ घाटी के ऊपरी गांवों में शुक्रवार को हल्का हिमपात हुआ। उधर, केदारनाथ में 16 फीट से अधिक बर्फ जमी है। जबकि मद्महेश्वर में 7 से 8 फीट और तुंगनाथ में 6 फीट तक बर्फ जमा है। चोपता, बनियाकुंड, दुगलबिट्टा भी बर्फ से लकदक हो रखे हैं।

रीता सूरी को जान से मारने की धमकी, छह के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता देहरादून। अधिवक्ता राजेश सूरी हत्याकांड में वादी उनकी बहन रीता सूरी को जान से मारने की धमकी दी गई है। रीता सूरी की शिकायत पर शहर कोतवाली में छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। रीता सूरी निवासी खुड़बुड़ा मोहल्ला की शिकायत पर सतेंद्र कुमार निवासी रंग महल चौक हरिद्वार, ताहीर खान निवासी रीठा मंडी, केपी चौधरी निवासी प्रीत एन्क्लेव माजरा, सुधीर जैन निवासी राजा रोड और उनकी बेटी दिव्या जैन व श्वेता जैन के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

जेके टायर को वित्तीय वर्ष 2022 की तीसरी तिमाही में अब तक का सर्वोच्च राजस्व

संवाददाता देहरादून। भारतीय टायर उद्योग की अग्रज जेके टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड (जेके टायर) ने वित्तीय वर्ष 2021–22 को तीसरी तिमाही के लिए समन्वित अन अंकेक्षित परिणाम घोषित किये है। परिणामों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए डॉ. रघुपति सिंघानिया, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक जेके टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड ने कहा कि, जेके टायर ने तीसरी तिमाही में अब तक की सर्वोच्च तिमाही बिक्री अर्जित की है। टॉप लाईन में निर्यातों का भी मुख्य योगदान रहा है। उन्होने आगे कहा कि आवक लागत में अप्रत्याषित वृद्धि को आंशिक रूप से संतुलित की गई है। हमारा इरादा इस प्रभाव को बेअसर करने के लिये फिर से बिक्री कीमतों में वृद्धि करने का है। कंपनी सहयोगी केवोन्डिश कम्पनी लिमिटेड एवं जेके टोर्नल मैक्सिको का भी राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

हरीश रावत को भाजपा ने उन्हीं की चुनौती फिर दिलाई याद

संवाददाता देहरादून। भाजपा ने कांग्रेस के चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत पर निशाना साधा है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता सुरेश जोशी ने कहा कि हरीश रावत की चुनौती के अनुसार जुमे की नमाज के लिए छुट्टी को लेकर उनके मुख्यमंत्रित्वकाल का शासनादेश सामने आ गया है। ऐसे में हरीश रावत को अपनी बात का मान रखते हुए राजनीति से संन्यास ले लेना चाहिए।

एक बयान में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता जोशी ने कहा कि कांग्रेस के तमाम नेता अपने सिर पर उत्तराखंड की टोपी और जेब में जालीदार टोपी रखते हैं। कांग्रेस की मंशा हमेशा एक खास वर्ग को खुश करने की रहती है। तभी तो सत्ता में आते ही जुमे की नमाज के लिए अवकाश घोषित करते हैं और जब सत्ता से बाहर रहते हैं तो मुस्लिम यूनिवर्सिटी खोलने का वादा करते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता के सामने सुविधावादी हिंदू चेहरा बनाए रखने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस के नेता वर्षों तक अलग राज्य निर्माण को अपनी लाश पर होने की धमकी देकर सरकारों को ब्लैकमेल करते रहे। कुछ नेता केंद्र शासित राज्य का शिगूफा छोड़कर आंदोलन को भटकाते रहे। राज्य निर्माण के बाद सत्ता में आए तो कैमरे पर सूबे को लूटने का लाइसेंस देते नजर आए। अब यही कांग्रेसी नेता उत्तराखंडियत की बात कर रहे हैं। उन्होंने आशंका जताई कि कांग्रेस के भू सुधार कानून के वादे के पीछे खास समुदाय वर्ग को पहाड़ों में बसाने की योजना हो सकती है।

बर्फबारी के बीच भी प्रदेश में मतदान में नहीं आएगी कोई रुकावट

संवाददाता देहरदून। बर्फबारी के बीच भी प्रदेश में मतदान में कोई रुकावट नहीं आएगी। चुनाव आयोग ने इसके लिए विशेष तैयारियां की हैं, जिसमें एयर एंबुलेंस से लेकर जेसीबी तक का प्लान बनाया गया है।

दरअसल, सर्दियों में पहाड़ के कई जिलों में फरवरी–मार्च में भी बर्फबारी होती है। ऐसे में सबसे बड़ी चुनौती मतदान कराने की है। उत्तराखंड की मुख्य निर्वाचन अधिकारी सौजन्या ने बताया कि बर्फबारी के बीच मतदान को समय से कराने के लिए विशेष योजना बनाई गई है। बताया कि जो बूथ तय किए जा चुके हैं, वहीं मतदान होगा। इसमें बर्फबारी की वजह से कोई बदलाव नहीं होगा।

हां, जहां ज्यादा विकट हालात होंगे, वहां पोलिंग पार्टियों को जरूरत पड़ने पर एयर एंबुलेंस से भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि अभी तक पोलिंग पार्टियां, मतदान से 24 घंटे पहले रवाना की जाती थीं, लेकिन उन्होंने चुनाव आयोग से 72 घंटे पहले उन्हें पोलिंग बूथों तक पहुंचाने की अनुमति ली है। यानी तीन दिन पहले बर्फबारी वाले पोलिंग बूथों तक पोलिंग पार्टियां रवाना कर दी जाएंगी।

जेसीबी, कटर से लेकर एसडीआरएफ भी साथ चलेगी

जिन पोलिंग बूथों में ज्यादा बर्फबारी की आशंका है, वहां के लिए चुनाव आयोग ने धरातल पर भी मजबूत प्लान बनाया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी सौजन्या ने बताया कि पोलिंग पार्टियों को सुगमता से पहुंचाने के लिए जेसीबी, कटर, पीडब्ल्यूडी की टीम, एसडीआरएफ की टीम तैनात रहेगी। जहां भी रास्ते में बर्फ रुकावट बनेगा, उसे काटकर रास्ता साफ किया जाएगा।

उत्तराखंड के चुनावी रण में मौसम भी प्रत्याशियों की परीक्षा ले रहा है। प्रदेश में चुनाव के लिए 10 दिन का समय बचा हुआ है।

मुनस्यारी सहित उच्च हिमालय का शेष दुनिया से टूटा संपर्क

संवाददाता पिथौरागढ़। उच्च हिमालय में अभी भी हिमपात जारी है। जिले के निचले क्षेत्रो में हल्की बूंदाबादी हुई। जिले के अधिकांश भू भाग में बर्फ की चादर बिछी है। मुनस्यारी और धारचूला का दो तिहाही भू भाग बर्फ से ढक चुका है। आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। मुनस्यारी को जोडने वाली दोनों सड़कें बंद हो चुकी है। मुनस्यारी सहित उच्च हिमालय के शेष हिस्से से सम्पर्क भंग हो चुका है।

जिले में तापमान शून्य डिग्री से नीचे है। जबकि मुनस्यारी में माइनस दो डिग्री है। थल–मुनस्यारी, कैलास मानसरोवर यात्रा मार्ग, तवाघाट –नारायण आश्रम, नारायण आश्रम जौलजीबी–मुनस्यारी मार्ग कैंथी बैंड के पास बंद

–सिर्खा , मदकोट– बौना मार्ग भारी हिमपात से बंद हो चुके हैं। सीमांत की मुनस्यारी ,धारचूला की बिजली आपूर्ति विद्युत लाइन क्षतिग्रस्त होने से आपूर्ति ठप है। जिला मुख्यालय सहित जिले के अधिकांश क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति भी ठप रही। पिथौरागढ़ का मैदानी क्षेत्रों से भी ग्यारह घंटे सम्पर्क भंग रहा। अधिकांश ऊंचाई वाले स्थानों पर पेयजल स्रोत जम चुके हैं।

जिला मुख्यालय सहित आसपास की सभी पहाडियां बर्फ से ढकी हैं। पिथौरागढ़ नगर में गिरी बर्फ पिघल चुकी है परंतु घंटाकरण से चंडाक तक का क्षेत्र अभी भी बर्फ से ढका है। नगर के लोग बर्फ का खेल खेलने चंडाक पहुंच रहे हैं। तापमान में भारी गिरावट एवं बर्फ होने से बाजार सुनसान हैं। वाहनों की आवाजाही भी सीमित है। मुनस्यारी से मिली जानकारी के अनुसार थल–मुनस्यारी मार्ग गिरगांव से मुनस्यारी तक बर्फ से ढका है। कालामुनि से लेकर पातलथौड़ तक ढाई से तीन फीट बर्फ जमी है। मुनस्यारी बाजार मे एक फीट से अधिक बर्फ जमी है। दराती तक हिमपात हुआ है।

जौलजीबी–मुनस्यारी मार्ग कैंथी बैंड के पास बंद है। भारी बर्फबारी से लोग घरों में दुबके हैं । इस क्षेत्र में प्रचार पर भी मौसम और मार्गो ने रोक लगा दी है। नामिक गांव अलग– थलग पड़ चुका है। गिरगांव से लेकर नामिक तक मोटी बर्फ की चादर बिछ चुकी है।

मॉर्निंग वॉक करने वालों के लिए फिर खुला वन अनुसंधान संस्थान परिसर

संवाददाता देहरादून। खुद को सेहतमंद और साफ–सुथरी आबोहवा के बीच सुबह–शाम की सैर करने वालों के लिए वन अनुसंधान संस्थान परिसर एक बार फिर से खोल दिया गया है। कोरोना संक्रमण को लेकर धीरे–धीरे सामान्य हो रही स्थितियों के बीच संस्थान निदेशक ने सुबह– शाम आने वाले मॉर्निंग वॉकर्स के प्रवेश पर लगाई गई रोक हटा दी है। हालांकि पर्यटकों के प्रवेश पर रोक जारी रहेगी।

संस्थान निदेशक अरुण सिंह रावत ने बताया कि जैसे–जैसे स्थितियां और सामान्य होंगी तो पर्यटकों के प्रवेश पर लगाई गई रोक भी हटा दी जाएगी। कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर को देखते हुए निदेशक ने पर्यटकों के साथ सैर करने के लिए आने वालों पर रोक लगा दी थी। यह पहली बार नहीं है जब पर्यटकों और मॉर्निंग वॉकर्स के संस्थान परिसर में दाखिल होने पर रोक लगाई गई है। ज्ञात हो कि वन अनुसंधान संस्थान परिसर को देखने के लिए बड़ी संख्या में दूसरे राज्यों के पर्यटक आते है और संस्थान के ऐतिहासिक भवन को देखने के साथ ही सैर सपाटा करते हैं।